संपादकीय

एजेंडा ही तो पूछा है!

सवाल पूछने पर सवालों से ही जवाबी हमला बोलने की वर्तमान सत्ता पक्ष की रणनीति अब नई नहीं रह गई है। लेकिन इन तौर-तरीकों ने भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य दोनों को अनिश्चय में डाल दिया है।

संसद के विशेष सत्र को लेकर जारी रहस्यमय स्थिति के बीच विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने सरकार से तुरंत बताने को कहा कि इस सत्र का एजेंडा क्या है। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रस्तावित सत्र में चर्चा के लिए कुछ 'रचनात्मक सुझाव' दिए। लोकतांत्रिक परंपरा और मर्यादा के अनुरूप अपेक्षित तो यह होता है कि ऐसे पत्रों का उत्तर सीधे प्रधानमंत्री की तरफ से आए। लेकिन नरेंद्र मोदी के शासनकाल में ऐसी परिपाटियों के निर्वाह की अपेक्षा हम नहीं रखते। फिर भी एक सामान्य से पत्र पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और टीवी चैनलों पर भाजपा प्रवक्ताओं की दिखी प्रतिक्रिया को न सिर्फ अवांछित, बल्कि एक हद तक आपत्तिजनक भी कहा जाएगा। सत्ता पक्ष ने उलटे सोनिया गांधी के खिलाफ आरोपों की झड़ी लगा दी। उन पर 'लोकतंत्र के मंदिर संसद को सियासी रंग' देने का इल्जाम लगाया गया है। बहरहाल, सरकार चाहे सोनिया गांधी के सुझावों को तव्वजो दे या नहीं, यह उसका विशेषाधिकार है, लेकिन संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है, तो उसका एजेंडा सारा देश जानना चाहता है।

संसद के सत्र को लेकर ऐसी गोपनीयता अभूतपूर्व है। फिर जिन लोगों को सत्र में भाग लेना है, उनमें जनता से निर्वाचित विपक्षी सांसद भी हैं। किसी एक साधारण बैठक के पहले भी भागीदार यह जानना चाहते हैं कि मीटिंग किसलिए बुलाई गई है। ऐसे में सांसदों का एजेंडा पूछना पूरी तरह वैध एवं विवेकपूर्ण है। लेकिन सरकार संभवतः विपक्ष को संसदीय प्रक्रिया में वैध हितधारक (स्टेकहोल्डर) नहीं मानती। उसे बदनाम और लाछित करके अपने समर्थक तबकों की निगाह में गिराने की कोशिश अब खासी जानी-पहचानी हो चुकी है। सवाल पूछने पर सवालों से ही जवाबी हमला बोलने की उसकी रणनीति भी नई नहीं है। लेकिन इन तौर-तरीकों ने भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य दोनों को अनिश्चय में डाल दिया है। इस बात पर जोर देने की जरूरत है कि पारदर्शिता लोकतंत्र का बुनियादी तकाजा है, जबकि गुपचुप फैसले लेना और उन्हें लागू कर देना सिरे से लोकतांत्रिक भावना और व्यवस्था पर प्रहार माना जाता है। यही कसौटी लोकतंत्र को राजतंत्र से अलग करती है।

इस हफ्ते जिंदल स्टेलेंस स्टील समेत कई कंपनी दे रही है लाभांश

० जानें निवेशकों को होगा कितना लाभ

नई दिल्ली। एक्स-डिविडेंड वो तारीख होती है जब किसी कंपनी के शेयर अगले डिविडेंड के लिए समायोजित हो जाती है। जिस भी दिन कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड पर कारोबार करेगा उस दिन अगले लाभांश के लिए पेमेंट को फॉरवर्ड कर दिया जाएगा।

आपको बता दें कि जब भी कोई कंपनी लाभांश देने की घोषणा करती है तो इसका लाभ कंपनी के सभी शेयरहोल्डर्स को मिलता है। कंपनी के रिकॉर्ड डेट की लिस्ट में जितने भी शेयरधारक होते हैं उन सभी को इसका फायदा मिलता है। वैसे को कई बार कंपनी का रिकॉर्ड डेट और एक्स-डिविडेंड डेट एक ही होता है। आइए, जानते हैं कि इस हफ्ते किन कंपनी के शेयर एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे।

ये स्टॉक्स अगले हफ्ते एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेगा

गुजरात गैस ने निवेशकों को 6.65 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी के शेयर 11 सितंबर 2023 को एक्स-डिविडेंड पर कारोबार करेंगे।

लक्ष्मी मिल्स कंपनी भी निवेशकों को डिविडेंड दे रही है। कंपनी ने 9 रुपये का लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनी के शेयर 14 सितंबर को एक्स-डिविडेंड पर कारोबार करेंगे।

अपोलो पाइप्स ने भी निवेशकों के लिए अंतिम लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनी 0.06 रुपये का लाभांश दे रही है। कंपनी का रिकॉर्ड डेट 15 सितंबर 2023 तय किया गया है।

भारतीय रेलवे वित्त निगम ने 0.07 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी के शेयर 15 सितंबर 2023 को पूर्व-लाभांश पर ट्रेड करेगा।

जिंदल स्टेनलेस निवेशकों को 1.15 रुपये का अंतिम लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनी 15 सितंबर 2023 को एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया भी निवेशकों को लाभांश दे रही है। कंपनी के स्टॉक 15 सितंबर 2023 को एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेगा।

सितंबर में एफपीआई बने शुद्ध विक्रेता, सितंबर में अब तक बेचे 4,200 करोड़ रुपए के शेयर

नई दिल्ली । लगातार छह महीने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने शेयर बाजार में निवेश किया। वह शुद्धे विक्रेता बने रहे। वहीं इस महीने 1 सितंबर 2023 से अब तक इन्होंने 4,200 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह अब शुद्ध विक्रेता है। इसकी वजह अमेरिकी बांड पैदावार में बढ़ोतरी, मजबूत डॉलर और वैश्विक आर्थिक विकास पर चिंताओं को माना जा रहा है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ें- डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अब तक यानी 8 सितंबर तक 4,203 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। वहीं, पिछले महीने एफपीआई निवेश चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था। यह 12,262 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था।

एफपीआई छह महीने यानी मार्च से अगस्त तक लगातार भारतीय इक्विटी खरीद रहे थे। इस अवधि के दौरान 1.74 लाख करोड़ रुपये का शेयर खरीदा है।

एफपीआई ने कितना किया निवेश- एफपीआई ने डेट मार्केट में 643 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं, इस साल अभी तक उन्होंने 1.31 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। वहीं, डेट मार्केट में लगभग 28,825 करोड़ रुपये तक का निवेश किया है।

एफपीआई लगातार पूंजीगत सामान और बिजली खरीद रहे हैं। वित्तीय क्षेत्र में एफपीआई की बिकवाली से बैंकिंग ब्लू चिप्स की कीमतें कम रह रही हैं।

अडानी इंटरप्राइजेस और अडानी पोर्ट में प्रमोटर ग्रुप ने बढ़ाई हिस्सेदारी, एक्सचेंज फाइलिंग में दी जानकारी

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले प्रमोटर ग्रुप की ओर से ग्रुप की दो कंपनियों में हिस्सेदारी को बढ़ाया गया है। एक्सचेंज पर मौजूद डेटा के मुताबिक, अदाणी एंटरप्राइजेज में प्रमोटर ग्रुप ने हिस्सेदारी को 69.87 प्रतिशत से बढ़ाकर 71.93 प्रतिशत कर दिया है। यह एक महीने में दूसरी बार जब अदाणी ग्रुप की ओर से फ्लैगशिप कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई गई है। इससे पहले प्रमोटर ग्रुप ने हिस्सेदारी को 67.65 प्रतिशत से बढ़कर 69.87 प्रतिशत किया था। अदाणी पोर्ट में भी प्रमोटर ग्रुप की ओर से हिस्सेदारी को बढ़ाया गया है। अदाणी पोर्ट में अब प्रमोटर की हिस्सेदारी 63.06 प्रतिशत से बढ़कर 65.23 प्रतिशत हो गई है। रिसर्जेंट ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड की ओर से अदाणी पोर्ट में ओपन मार्केट के जरिए एक प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदी गई है, जबकि इमर्जिंग मार्केट इन्वेस्टमेंट डीएमसीसी ने ओपन मार्केट से अदाणी पोर्ट में 1.2 प्रतिशत हिस्सा खरीदा हैं। दोनों प्रमोटर ग्रुप की कंपनियां हैं।

बायोफ्यूल एलाइंस से भारत समेत जी20 देशों के लिए पैदा होंगे 500 अरब डॉलर के अवसर : रिपोर्ट

नई दिल्ली । बायोफ्यूल एलाइंस अगले तीन वर्षों में जी20 देशों के लिए 500 अरब डॉलर के अवसर पैदा करेगा। ये कहना है इंडियन बायोगैस एसोसिएशन का। साथ ही कहा कि यह जी20 देशों के साथ पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। आईबीए की ओर से इसके लिए एक स्टडी की गई, जिसमें बताया गया कि अगले तीन वर्षों में 500 अरब डॉलर के अवसर पैदा हो सकते हैं।

जी20 की अध्यक्षता कर रहा भारत- ये स्टडी ऐसे समय पर सामने आई है। जब भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। बायोगैस की मदद से 200 अरब डॉलर के अवसर पैदा हो सकते हैं। अन्य एनर्जी विकल्पों के मुकाबले इसमें निवेश की कम आवश्यकता होगी,क्योंकि इसके लिए कच्चा माल आसानी से मिल जाता है।

जैविक ईंधन को रिप्लेस करने की क्षमता- बायोएनर्जी/बायोगैस में सैद्धांतिक रूप से जैविक ईंधन को रिप्लेस करने की क्षमता है। इसके ट्रांसपोर्ट सेक्टर को कार्बन मुक्त करने में मदद मिलेगी।

हालांकि, स्टडी में बताया गया कि बायोगैस इंडस्ट्री को बढ़ाने के लिए शुरुआत में करीब 100 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता है।

2016 में जी20 की ओर से रिन्यूएबल एनर्जी को आगे बढ़ाने के लिए एक ऐच्छिक एक्शन प्लान बनाया गया था। इसके बाद भारत ने रिन्यूएबल एनर्जी में काफी बढ़त हासिल की है। ओवरऑल एनर्जी मिक्स में रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 22 प्रतिशत की सीएजीआर की मदद से बढ़ाया गया है। पिछले एक दशक में भारत ने सोलर एनर्जी क्षमता को 20 गुना बढ़ाया है।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, देश में वर्तमान बायोगैस और सीबीजी उत्पादन 1151 मीट्रिक टन प्रति दिन है और एक अनुमान के मुताबिक, यह वर्ष 2025 तक 1750 मीट्रिक टन प्रति दिन तक जा सकता है।

अगले हफ्ते खुलने जा रहा है इस फिनटेक कंपनी का आईपीओ, जानिए सभी डिटेल

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार में अगले हफ्ते एक फिनटेक कंपनी जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ खुलने जा रहा है। कंपनी की ओर से जमा की गई आरएचपी के मुताबिक ये खुदरा निवेशकों के लिए 14 सितंबर से लेकर 18 सितंबर के बीच खुलेगा। एंकर निवेशकों के लिए ये आईपीओ 13 सितंबर को खुल जाएगा।

क्या फ्रैश इश्यू का साइज- इस आईपीओ में फ्रैश इश्यू का साइज 392 करोड़ रुपये का होगा। ये पहले 490 करोड़ रुपये का था, लेकिन प्री-आईपीओ प्लेसमेंट के दौरान अगस्त में दो किस्तों में 98 करोड़ रुपये निवेशकों से जुटाने के कारण इस आईपीओ का फ्रैश इश्यू का साइज घटाकर 98 करोड़ रुपये कर दिया गया।

इसके अलावा कंपनी ने ओएफएस में बिक्री किए जाने वाले शेयरों की संख्या को 1.05 करोड़ से घटाकर 1.04 करोड़ कर दिया गया है। इस ओएफएस में कंपनी के प्रमोटर्स राज पी नारायणम और अविनाश रमेश गोडखिंडी द्वारा शेयर बेचे जा रहे हैं। वहीं, वेंचरईस्ट प्रोएक्टिव फंड एलएलसी, जीकेएफएफ वेंचर्स, वेंचरईस्ट सेडको प्रोएक्टिव फंड एलएलसी, वेंचरईस्ट ट्रस्टी कंपनी, जुजू सॉफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और कोटेश्वर राव मेदुरी अन्य निवेशक भी ओएफएस में शेयरों की बिक्री करेंगे।

इस आईपीओ का उद्देश्य- कंपनी की ओर से आरएचपी में दी गई जानकारी के मुताबिक, इस आईपीओ से मिलने वाली राशि में से 300 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी ग्राहकों के अधिग्रहण और उन्हें रोकने के लिए करेगी। 40 करोड़ रुपये का उपयोग टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट में किया जाएगा। 17.08 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी की ओर से आंशिक और पूरी तरह से कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा।

कंपनी का कारोबार- कंपनी बिजनेस टू बिजनेस टू कस्टमर सेगमेंट में कार्य करती है। यह कंपनी प्रीपेड कार्ड्स और कर्मचारी मैनेजमेंट की सुविधा देती है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

सैकड़ों नौकरियों में कटौती कर सकती है ब्रिटिश बैंकिंग दिग्गज बार्कलेज : रिपोर्ट

लंदन । ब्रिटिश बैंकिंग दिग्गज बार्कलेज अगले सप्ताह सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने यह कदम कथित तौर पर अपनी लागत को कम करने के लिए उठाया है।

यूके की बैंकिंग दिग्गज कंपनी अपने घरेलू खुदरा कारोबार में 400 से अधिक नौकरियों में कटौती कर सकती है।

बैंक ट्रेडिंग डिवीजन में क्लाइंट-फेसिंग स्टाफ के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर कुछ डीलमेकर्स में से लगभग 5 प्रतिशत की कटौती करने की योजना बना रहा है।

बार्कलेज भी कथित तौर पर अपनी यूके उपभोक्ता-बैंकिंग इकाई के भीतर टीमों के पुनर्गठन की तैयारी कर रहा है।

बार्कलेज के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि वे अटकलों पर टिप्पणी नहीं करते।

प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हम नियमित रूप से अपने परिचालन की समीक्षा करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को कुशल और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकें। इससे पहले शीर्ष वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने लगातार वैश्विक मंदी के बीच इस साल नौकरी में कटौती के अपने दूसरे दौर में लगभग 3,000 को नौकरियों को निकाल दिया था।

दिसंबर 2022 में वैश्विक निवेश सलाहकार फर्म ने अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 2 प्रतिशत या लगभग 1,600 कर्मचारियों की कटौती की थी।

मॉर्गन स्टेनली अपने कार्यबल को कम करने में प्रतिद्वंद्वी गोल्डमैन सैक्स और सिटीग्रुप और बार्कलेज सहित अन्य निवेश फर्मों की राह पर चल रही है।

गोल्डमैन सैक्स ने अब तक की सबसे बड़ी कटौती करते हुए जनवरी में लगभग 3,200 नौकरियां समाप्त कर दीं।

अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल का टीजर जारी

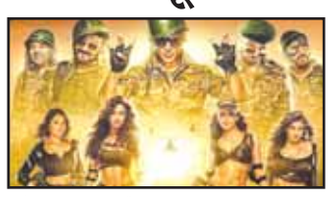

अक्षय कुमार के फैंस को जिस बात का इंतजार था, आखिर वह घड़ी सामने आ गई। उनके जन्मदिन के मौके पर उनकी मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्म वेलकम 3 का टीजर रिलीज कर दिया गया। वेलकम बॉलीवुड की टॉप कॉमेडी फिल्मों में से एक मानी जाती है, जिसके पहले दो पार्ट्स अब तक हिट रहे हैं। मेकर्स तीसरे इन्सटॉलमेंट से ठहाकों का वही डोज वापस लेकर आए हैं।

वेलकम 3 का ऑफिशियल टाइटल वेलकम टू द जंगल है। इस मल्टीस्टारर मूवी में अक्षय कुमार के अलावा दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, सुनील शेट्टी, जॉनी लीवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा जैसे दिग्गजों की एक्टिंग देखने को मिलेगी। वहीं, लंबे समय बाद रवीना टंडन के फैंस उन्हें भी बड़े पर्दे पर देख सकेंगे। रवीना और अक्षय लंबे समय बाद एक दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे।

वेलकम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त का नाम वेलकम टू द जंगल है। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, फिरोज नाडियाडवाला और अहमद खान कर रहे हैं।

अक्षय के जन्मदिन पर निर्माताओं ने एक दिलचस्प वीडियो के साथ इसका ऐलान किया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह फिल्म मिलिट्री एक्शन पर आधारित होगी। वेलकम टू द जंगल में ह्यई हेलीकॉप्टरों को दिखाया जाएगा और पहली बार किसी भारतीय फिल्म में एक्शन दृश्यों में विमान वाहक पोत का इस्तेमाल किया जाएगा।

शाहरुख खान की जवान दूसरे ही दिन 100 करोड़ के क्लब में शामिल

शाहरुख खान की फिल्म जवान का जादू सिनेमाघरों में देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर सिनेमाघरों के कई वीडियो आए हैं, जिनमें दर्शक झूमते-नाचते दिख रहे हैं।यही आंकड़े बॉक्स ऑफिस की कमाई में भी नजर आ रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है।जवान पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई थी। दूसरे दिन भी फिल्म ने शानदार कमाई की और 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, जवान फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन करीब 53 करोड़ रुपये कमाए हैं। इनमें से 47 करोड़ रुपये अकेले हिंदी संस्करण के हैं।पहले दिन फिल्म ने करीब 74 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जिसमें से हिंदी संस्करण ने 65 करोड़ रुपये कमाए थे।

ज्यादा नींबू पानी पीने से शरीर को हो सकता हैं नुकसान

एकदम हेल्दी और फिट रहने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर ज्यादा पानी पीने की सलाह देते हैं. ज्यादा पानी पीना तो सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. शरीर को पूरे दिन हाईड्रेट बनाए रखने के लिए पूरा दिन पानी पीना फायदेमंद होता है. ऐसे में लोग नींबू का इस्तेमाल करते हैं. नींबू शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद तो होता है. साथ ही यह शरीर से गंदगी निकालने का भी काम करती है. साथ ही साथ यह चर्बी गलाने का काम भी करती है. इससे आपको मोटापा से छुटकारा मिल जाएगा. लेकिन इतना तो आपको पता है किसी भी चीज का हद से ज्यादा इस्तेमाल आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है. आइए जानते हैं नींबू-पानी पीना रोजाना सही है या नहीं?

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ऐसे करें नींबू का इस्तेमाल- वजन को कंट्रोल में रखने के लिए और शरीर को डिटॉक्स करने के लिए नींबू पानी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. शरीर में मौजूद जो फैट होता है उसे भी कम करता है. लेकिन कुछ लोगों को जल्दी रहती है ऐसे में वह चाहते हैं तुरंत फायदा मिले.

नींबू पानी शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है. लेकिन काफी ज्यादा पीना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है. इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए फायदेमंद होता है. हर रोज एक गिलास से ज्यादा नींबू पानी पीने से बचना चाहिए.

ज्यादा नींबू पानी पीने के नुकसान- गर्मी हो या सर्दी कई लोग ऐसे हैं जो काफी ज्यादा नींबू-पानी का इस्तेमाल करते हैं. एक दिन में काफी ज्यादा नींबू और पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. इससे आपकी पाचन भी बिगाड़ सकती है. इसलिए कंट्रोल मात्रा में नींबू पानी का इस्तेमाल करें. इससे शरीर में होने वाली परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं. बहुत ज्यादा नींबू पानी शरीर के लिए काफी ज्यादा खतरनाक हो सकता है.

ज्यादा नींबू-पानी हार्टबर्न की शिकायत हो सकतीहै- ज्यादा नींबू पानी से पेप्टिक अल्सर का खतरा बढ़ जाता है। ज्यादा नींबू पीने से शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है। ज्यादा पीने से वजन ज्यादा कम हो सकता है। शरीर में आयरन की कमी बढ़ सकती है। पाचन तंत्र में गड़बड़ी हो सकती है। ज्यादा नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती है.

शब्द सामर्थ्य- 181

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीस करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

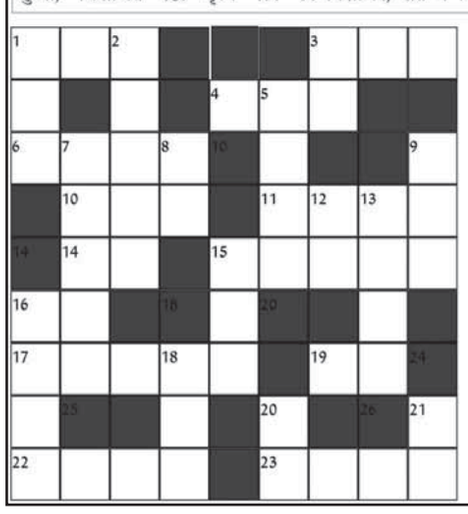

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 180 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू- 181

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.180 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप किसी की मदद करेंगे, जिससे आपको ख़ुशी होगी। आप कुछ ऐसा करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे और आपको फॉलो करेंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आपका विश्वास बढ़ेगा आप किसी दूसरे की बातों पर ध्यान न देकर खुद पर विश्वास करेंगे। आप कोई कर्ज उतारने में सफल होंगे, आपकी मानसिक उलझन कम होगी।

मिथुन: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप माता की कोई इच्छा पूरी करेंगे, जिससे उनका मन प्रसन्न होगा। आपके ननिहाल पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है। कोई करीबी व्यक्ति आपसे आर्थिक मदद मांगेगा आप उसकी हर-संभव मदद करेंगे।

कर्क: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपकी सामाजिक गतिविधि में रुचि रहेगी। आप किसी काम में बड़े-बुजुर्गों की सलाह लेंगे, आपको काफी फ़ायदा होगा। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब करते हैं उनके लिए आज का दिन व्यस्तता से भरा हो सकता है।

सिंह: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। पिता जी आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौपेंगे जिसे बखूबी पूरा करने पर आपको शाबाशी मिलेगी, साथ ही पिता जी आपसे कुछ मन की बाते भी शेयर करेंगे।

कन्या: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप कोई बिजनेस साझेदारी में शुरू करने का मन बनाएंगे। आपकी कोई पुरानी गलती के कारण आज आपको पछतावा होगा आप उस गलती को सुधारने का पूरा प्रयास करेंगे।

तुला: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आपका पैसा खर्च होने की वजह से आपकी आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ेगा। बेहतर होगा सोच समझकर ही पैसे खर्च करें।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा, जिससे आप नई-नई चीजें सीखने का प्रयास करेंगे। आप अपने खान-पान की आदतों में बदलाव करेंगे।

धनु: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपको एक से अधिक स्रोत से धन लाभ होगा, जिससे आपकी खुशियां दोगुनी हो जाएंगी। जीवनसाथी से बात करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करने से आपके रिश्ते में मिठास आएगी।

मकर: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर गुस्सा होने से बचेंगे तो आपका काम अच्छे से पूरा हो जाएगा। ऑफिस में किसी काम को पूरा करने में आपको थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आपके बेटे को करियर से सम्बंधित कोई अच्छी सूचना मिलेगी आपके घर में रौनक बढ़ जाएगी। आपको गर्व महसूस होगा।

मीन: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका बहुत दिनों से रुका धन वापस मिलने से आर्थिक समस्याएं दूर होंगी। आपके ससुराल से कोई व्यक्ति आपसे मिलने घर आ सकता है।